सन्तुष्टता की महानता

1. सन्तुष्टता - ब्राह्मण जीवन का जीयदान है।
2. सन्तुष्टता - ब्राह्मण जीवन की विशेषता है।
3. सन्तुष्टता - ब्राह्मण जीवन का विशेष गुण,खजाना व श्रंगार है।
4. सन्तुष्टता - ब्राह्मण जीवन की उन्नति का सहज साधन है।
5. सन्तुष्टता - ब्राह्मण जीवन का सुख है, वर्सा है, प्रॉपर्टी है।
6. सन्तुष्टता - ब्राह्मण जीवन का विशेष परिवर्तन का दर्पण है।
7. सन्तुष्टता - ब्राह्मण जीवन की महिमा है।
8. सन्तुष्टता - रुहानियत की विधि है।
9. सन्तुष्टता - प्रसन्नता की सहज सिद्धि है।
10. सन्तुष्टता - सफलता का सहज आधार है।
11. सन्तुष्टता - संगमयुग का विशेष वरदान है।
12. सन्तुष्टता - सम्पूर्णता की निशानी है।
13. सन्तुष्टता - सभी गुणों की धारणा का दर्पण है।
14. सन्तुष्टता - ब्राह्मण परिवार के स्नेही बनाने का श्रेष्ठ साधन है।
15. सन्तुष्टता - ज्ञान की सबजेक्ट का प्रत्यक्ष प्रमाण है।
16. सन्तुष्टता - स्वमान की सीट पर सेट रहने का सहज साधन है।
17. सन्तुष्टता -हर विशेषता को धारण करने का सहज साधन है।
18. सन्तुष्टता - खुशी का आधार है।
19. सन्तुष्टता - सदा मायाजीत बनाती है।
20. सन्तुष्टता - बेफिकर बादशाह बनाती है।
21. सन्तुष्टता - सर्व प्राप्ति स्वरुप बनाती है।
22. सन्तुष्टता - विजयी रत्न बनाती है।
23. सन्तुष्टता - अनेक आत्माओं का इष्ट व अष्ट बनाती है।
24. सन्तुष्टता - प्रभु प्रिय, लोक प्रिय, स्वयं प्रिय बनाती है।
25. सन्तुष्टता - बापदादा के गले का हार बनाती है।
26. सन्तुष्टता - महादानी, वरदानी,विश्वकल्याण और सहज बनाती है।
27. सन्तुष्टता - हद के मेरे-तेरे के चक्र से मुक्त कराए स्वदर्शन चक्रधारी बनाती है।
28. सन्तुष्टता - सदा निर्विकल्प, एकरस के विजयी आसन के अधिकारी बनाती है।
29. सन्तुष्टता - सदा बापदादा के दिलतख्तनशीन, श्रेष्ठ स्मृति के तिलकधारी और विश्व सेवा के जिम्मेवारी की ताजधारी बनाती है।
30. सन्तुष्टता - की विशेषता स्वयं ही हर कार्य में गोल्डन चांसलर बना देती है।
31. सन्तुष्टता - अनेक आत्माओं के परिवर्तन के निमित्त बनाती है।
32. सन्तुष्टता - आत्मा की पहचान दिलाती है।
33. सन्तुष्टता - अतिन्द्रिय सुख का अनुभव कराती है।
34. सन्तुष्टता - सर्विस में वृद्धि कराती है।
35. सन्तुष्टता - का खजाना सर्व खजानों को स्वतः ही अपनी तरफ आकर्षित करता है।
36. सन्तुष्टता - सदा सर्व के स्वभाव संस्कार को मिलाने वाली होती है।
37. सन्तुष्टता - स्वतः ही सभी से दिल का प्यार दिलाती है।
38. सन्तुष्टता - का गुण ही समय और परिस्थितियों प्रमाण सहज मोल्ड कराता है।
39. सन्तुष्टता - द्वारा ब्राह्मण जीवन की विशेषता को देख अज्ञानी भी प्रभावित होतें हैं।
40. सन्तुष्टता - की निशानी है प्रसन्नता, प्रत्यक्षता है प्रशंसा।

ओम्शान्ति